वसन्त के उमंगोत्साह को अपने श्वास में भर लो

ईस्टर के उपलक्ष्य में
सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा सिद्धयोग सत्संग
४ अप्रैल, २०२६

४ मार्च, २०२६

आत्मीय पाठक,

विश्वभर की अनेक संस्कृतियों के लोगों के लिए वसन्त-ऋतु का विशेष महत्त्व होता है। निश्चित ही, शीत-ऋतु से निकलकर, वसन्त की गुनगुनाहट व प्रकाश में प्रवेश करना, मुक्ति का एहसास कराता है। हम बाहर निकलकर धूप की सौग़ात का आनन्द लेने को उत्सुक होते हैं, साथ ही खुश होते हैं कि दिन अब लम्बे होंगे। इस संक्रान्ति-काल का धार्मिक व आध्यात्मिक महत्त्व भी है; यह अन्धकार से प्रकाश की ओर जाने का द्योतक है। और भले ही यह समय अभी *सबके* लिए वसन्त का समय नहीं है [जैसेकि, उनके लिए जो दक्षिणी गोलार्ध में रह रहे हैं], फिर भी हम सब इसे याद कर, इसकी ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं।

वर्ष के इस समय लोग ईस्टर का पर्व मनाते हैं। सिद्धयोग पथ पर, हमारी श्रीगुरु, गुरुमाई चिद्विलासानन्द ने ईस्टर के उपलक्ष्य में कई सत्संग व शक्तिपात ध्यान-शिविर आयोजित किए हैं और उन्होंने हमेशा ईस्टर और इसके महत्त्व के बारे में बताते हुए अत्यन्त सम्मान दर्शाया है। कई और चीज़ों के साथ-साथ यह अवसर हमें जागृति की शक्ति की याद दिलाता है। यह आशा, जीवन्तता और उमंग के भावों को जगाता है।

इस वर्ष ईस्टर के उपलक्ष्य में सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर, सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा एक सिद्धयोग सत्संग का आयोजन किया जाएगा। इस सत्संग का शीर्षक है, “वसन्त के उमंगोत्साह को अपने श्वास में भर लो।”

तारीख़ व समय :

भारतीय समयानुसार : शनिवार, ४ अप्रैल, २०२६ को शाम ८:०० बजे से रात्रि ९:३० बजे तक

न्यूयॉर्क समयानुसार : शनिवार, ४ अप्रैल, २०२६ को सुबह १०:३० बजे से दोपहर १२:०० बजे तक

स्थान : सिद्धयोग वैश्विक हॉल में, सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर सीधे वीडिओ प्रसारण के माध्यम से

आदर सहित,

रामी करी सरटोरी

सिद्धयोग ध्यान-शिक्षिका

© २०२६ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।